आईआईएम के इंटीग्रेटेड कोर्स आईपीएम का पहला बैच शुरू

आईआईएम रांची में आईपीएम के विद्यार्थी वक्ताओं को सुनते हुए।

रांची | प्रमुख संवाददाता

01 हजार से अधिक विद्यार्थी पढ़ते हैं संस्थान में

आईआईएम रांची में नए इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट का पहला बैच सोमवार को शुरू हुआ। पहले बैच के विद्यार्थियों के आयोजित इंडक्शन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ सुभाष सरकार मौजूद थे। नए पाठ्यक्रम में 12वीं कक्षा के बाद विद्यार्थियों को आईआईएम रांची में शामिल होने और संस्थान से एमबीए में अध्ययन करने का मौका मिलेगा। इसमें छात्र को बीबीए की डिग्री के साथ तीसरे वर्ष के बाद पाठ्यक्रम से बाहर निकलने का भी विकल्प भी दिया गया है। कुल 120 सीटें उपलब्ध हैं।

शिक्षा राज्य मंत्री डॉ सुभाष सरकार ने छात्रों को सीखने की भावना को बनाए रखने और भविष्य के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की भूमिका पर भी बात की, जिसने परिवर्तनकारी पाठ्यक्रम को शामिल करने की सुविधा प्रदान की है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य शिक्षार्थियों के समग्र विकास, उन्हें 21वीं सदी के प्रमुख कौशल से लैस करना, आवश्यक शिक्षा और महत्वपूर्ण सोच को बढ़ाना और अधिक से अधिक शिक्षा देना है। कहा कि अनुभवात्मक अधिगम पर ध्यान केंद्रित करें, जिससे सीखने की प्रक्रिया के लिए एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान किया जा सके। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि आईआईएम रांची नई शिक्षा नीति एनईपी की सिफारिशों को लागू करेगा। उन्होंने इस तथ्य पर जोर दिया कि भविष्य के व्यापारिक नेताओं के रूप में प्रबंधन के छात्रों का कर्तव्य है कि वे भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं।

उद्घाटन सत्र में आईआईएम रांची के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष प्रवीण शंकर पंड्या, निदेशक प्रो शैलेंद्र सिंह, पाठ्यक्रम के विभागाध्यक्ष विरजानंद वर्मा, आदि मौजूद थे। प्रो शैलेंद्र सिंह ने एनआईआरएफ स्कोर और रैंकिंग में संस्थान की निरंतर वृद्धि के बारे में बात की।

प्रवीण शंकर पंड्या ने संस्थान के नए परिसर के विकास और शैक्षणिक समुदाय में संस्थान के निरंतर उत्थान के बारे में भी बताया।

Hindustan, 19.10.2021, Pg. 06